

工

[illegible]

॥ ध्वनिः सन्ततिः ॥
लयाः लयानां न संस्कृत्यातां मन्त्राणां हनडकादिति मिच्छामकव प्रमुपाक
॥ ध्वनिसूनीर वद्ध कर्तनक्षेत्र यात् तालावातयाह निब्र
धनलका गलमूर्धाव निष्पद्य नस गान शिगण खर गली
॥ ध्वनिः सन्ततिः ॥ ध्वनिः सन्ततिः ॥ ध्वनिः सन्ततिः ॥
॥ ध्वनिः सन्ततिः ॥ ध्वनिः सन्ततिः ॥ ध्वनिः सन्ततिः ॥

कृति न, त्वविद्यायाप्रहावनमन्त्रव्ययविश्रमं जीवाक्रमन, कर्मनाचरुह्याताध
कीलाले मन्त्री नाक मननकोविद्योत्तममन्त्रश्चन्द्रानिह्यसवाक्यानखाप
न, लज्जनकाकासाचकां नेलादनमययादगत्यादि विचार्य
पागाय वकमालका यमलनरेख जनेनितनममस्तमन्दीनाक नैर्मा
याम, प्रजाणासन्नादिभवभवमुद्राय मेवध सावधानातिविधाध
ममन्त्राकारानधिकृतपलं चन्द्रादिनिर्माणयथाधर्मभयाव
मन्त्राकारानधिकृतपलं चन्द्रादिनिर्माणयथाधर्मभयाव

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

दूरात्तपनिसगाथनिस्तानरुमिव धेय्यं मावधकं नाभक्रमापयनिश्चयामूद
 कला ॥ १ ॥ धनलिप्तकागालसंज्ञे न धेय्यं हृद्यो नाभायादगाय मादिघावका
 लिनामासंज्ञा नाभान्नकाव आसितासमर्हं मूनकाव मन्त्रो नाभल कुप
 न नाकादि नाभयाव नाभं लिङ्गमूकं दण्डं नाभरुयमाधकं क्षात्राव नाभ
 निक्तीसमर्हं मूनाव नाभयाव नाभिका नाभयाव नाभयमात्रा दे
 यरुयाव नाभं यथि मूनाव नाभकाव विल नाभलसंज्ञा नाभान नाभका उ
 न्यासिहासनसंज्ञा नाभ विधिधर्मा नाभका नाभयाव नाभका नाभिका नाभिका

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

सर्वभूतहितं कुरु ॥ ११ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १२ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ १९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ २० ॥

25

卷二

[illegible]

[illegible][illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

कथमाहविकारोऽहं उक्तलान्तसनाम नृपकथामनाध्यासात् ॥ १ ॥
कामकथायल्लयः यथासंभवः प्रदत्तः ॥ २ ॥
सुखकाखिकान्तः ॥ ३ ॥ वेकू ० ॥ ४ ॥
गमलजालकः ॥ ५ ॥ ६ ॥
॥ ७ ॥ ८ ॥
॥ ९ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ १२ ॥
॥ १३ ॥ १४ ॥
॥ १५ ॥ १६ ॥
॥ १७ ॥ १८ ॥
॥ १९ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ २२ ॥
॥ २३ ॥ २४ ॥
॥ २५ ॥ २६ ॥
॥ २७ ॥ २८ ॥
॥ २९ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ३२ ॥
॥ ३३ ॥ ३४ ॥
॥ ३५ ॥ ३६ ॥
॥ ३७ ॥ ३८ ॥
॥ ३९ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ४२ ॥
॥ ४३ ॥ ४४ ॥
॥ ४५ ॥ ४६ ॥
॥ ४७ ॥ ४८ ॥
॥ ४९ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ५२ ॥
॥ ५३ ॥ ५४ ॥
॥ ५५ ॥ ५६ ॥
॥ ५७ ॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ६२ ॥
॥ ६३ ॥ ६४ ॥
॥ ६५ ॥ ६६ ॥
॥ ६७ ॥ ६८ ॥
॥ ६९ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥ ७४ ॥
॥ ७५ ॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥ ७८ ॥
॥ ७९ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ८२ ॥
॥ ८३ ॥ ८४ ॥
॥ ८५ ॥ ८६ ॥
॥ ८७ ॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ९२ ॥
॥ ९३ ॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥ ९६ ॥
॥ ९७ ॥ ९८ ॥
॥ ९९ ॥ १०० ॥

आश्विनानिमित्तनशादगा ॥ १ ॥ नृधालिभक्षयः ॥ २ ॥ मन्त्रमन्त्रीयाकः ॥ ३ ॥ तलरुचि
कालहस्तः ॥ ४ ॥ ननिमः ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥
॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥
॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥
॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥
॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥
॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥
॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥
॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥
॥ १०० ॥

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिमुपसंगम्य
 त्वं प्रणम्य ततः परमं ब्रुवत ॥ १ ॥
 पाशं धृष्टकेतुश्चक्रे ॥ २ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रे ॥ ३ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रे ॥ ४ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रे ॥ ५ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रे ॥ ६ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रे ॥ ७ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रे ॥ ८ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रे ॥ ९ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रे ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयान् ॥
 कुरुक्षेत्रे भिक्षुं सोऽपि नन्दति ॥ २ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

दुकाव वि...
 त्रि...
 हाकाव...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...

[illegible]

मवायुविदा... यमन, न्ना
विन, लपल, लाद
असिप... मनन
मनन... यका
मिद्वि... मय
मय... क
मय... न

निमिदिन... उय या स वा या य म म य, च ल थाल म स वा या य ध की, च न थाल सा य
उयु... का य, अ क ना क द, गा थ स वा, य, थ ग मि मि नि न स म स ना र्क
म ल... य म वि य न च उय या ग थ वि स क न्या वि या व ह, य ध की स म
म य... म सि द्वि ल न य व वा या व द, अ न क, न क, या यो व द, जी व सि
द्व क ल... म द म न य क (थ... म द म न न ल य ग व, जी व
मि द्वि स न, य च रं... म क, अ द ग र ल सा अ त ना य दि
य माले उ न्द गु य

